(ग) नवम्बर और दिसम्बर, 1980 के महीनों के दौरान 405298 व्यक्ति बिना टिकट या अनुपयुक्त टिकटों पर यात्रा करते पाये गये थे ।

सम्मान सूचक कार्ड पास

2354. **श्री जगपाल सिंह:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) उन व्यक्तियों तथा संस्थाओं के नाम तथा पते क्या हैं जिन्हें मार्च, 1980 से फरवरी, 1981 की अवधि के दौरान सम्मान-सूचक पास जारी किये गये हैं;

(ख) क्या यह सच है कि पास ऐसे व्यक्तियों को भी जारी किए गए हैं जो निर्धारित मार्गनिर्देशों के अन्तर्गत नहीं आते हैं; और

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं तथा इस सम्बन्ध में सरकार ने क्या कार्रवाई की है?

रेल मंत्रालय तथा संसदीय-कार्य, विभाग में उपमंत्री (श्री मल्लिकार्जुन): (क) एक सूची सभा पटल पर रखी गई है । [**ग्रन्थालय में रखी गयी। देखिये संख्या** —2021/81]

(ख) मानार्थ कार्ड पास रेल मंत्री के व्यक्तिगत अनुमोदन से जारी किए जाते हैं।

(ग) मार्ग निर्देशक सिद्धान्तों का ध्यान में रखते हुए प्रत्येक अनुरोध पर गुण-दोष के आधार पर विचार किया जाता है ।

दिल्ली परिवहन निगम को ठेके पर चलने वाली बसों के भाड़े में वृद्धि

2355. **श्री जगपाल सिंह:** क्या **नौवहन और परिवहन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली परिवहन निगम ने ठेके पर दी जाने वाली अपनी बसों और स्कूलों को किराए पर दी गयी बसों का भाड़ा बढ़ा दिया है;

(ख) यदि हां, तो दरों में कितनी वृद्धि की गयी है; और

(ग) इस वृद्धि करने के क्या कारण हैं?

नौवहन और परिवहन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री बूटा सिंह): (क) जी, हां । विशेष किराये पर दी गई और स्कूलों के लिए दी गई बसों की दरों में 1-1-81 से संशोधन कर दिया गया है ।

(ख) संशोधन से पहले और संशोधन के बाद की दरें इस प्रकार हैं:—

किराये की विशेष दरें	1-1-1981 से पहले की दरें	1-1-1981 से लागू संशोधित दरें
1	2	3
	रुपये	रुपये
1. प्रति किलोमीटर प्रभार	2.60	3.50
2. प्रति घंटा बस खड़ी करने क प्रभार	20.00	20.00
3. एक बुकिंग कराने के लिए न्यूनतम प्रभार	60.00	80.00
4. रात 11 बजे से सुबह 6 बजे के बीच बस खड़ी करने का प्रभार	15.00	15.00

1	2	3
स्कूलों के लिए दी गयी बसें ।		
1. प्रति किलोमीटर किराया प्रभार . . .	2.00	2.50
2. बच्चों के लिए डबल डेकर गाड़ी प्रति किलोमीटर किराया प्रभार	2.40	3.00

(ग) परिचालन लागत में वृद्धि होने के कारण किराये की दरों में वृद्धि करनी पड़ी ।

More Second Class A.C. coaches to Western and Delux Express

2356. SHRI R.P. GAEKWAD: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state whether more Seond Class Air Conditioned Coaches on Western Express and Delux Express would be provided?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS AND IN THE DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI MALLIKARJUN): Provision of A. C. Second Class Sleeper Coaches on long distance well patronised Mail/Express trains is being done on a programmed basis having regard to availability of A. C. Second Class Sleeper Coaches. There is no proposal at present to provide more A. C. Second Class Sleeper Coaches on these trains. However, this will be considered alongwith other similar demands as and when additional coaches become available.

अस्थायी श्रमिक

2357. **श्री आर. एन. राकेश:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या यह सच है कि मुख्य अभियन्ता (निर्माण), कश्मीरी गेट/मिण्टो ब्रिज के अन्तर्गत 120 दिन से ज्यादा अवधि से कार्य कर रहे अस्थायी मजदूरों की सेवायें 14 दिसम्बर, 1980 से समाप्त कर दी गयी हैं जिसके फलस्वरूप उनके परिवारों को भूखों मरने का सामना करना पड़ रहा है;

(ख) यदि हां, तो उन मजदूरों की संख्या क्या है जिनकी सेवायें समाप्त कर दी गयी हैं तथा उनकी संख्या क्या है जिन्हें पुन: काम पर ले लिया गया है;

(ग) क्या सरकार का प्रस्ताव उन्हें पुन: काम पर लेने का है; और

(घ) यदि हां, तो कब तक और यदि नहीं तो इसके क्या कारण हैं?

रेल मंत्रालय तथा संसदीय-कार्य विभाग में उप मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन): (क) से (घ). कार्य पूरा होने पर, 63 कनिष्ठ नैमित्तिक श्रमिकों की जिनमें से 31 ने 120 दिन से अधिक सेवा पूरी कर ली थी, सेवाएं समाप्त कर दी गयी थीं । इनमें से किसी की भी पुनर्नियुक्ति नहीं की गयी है । उसकी पुनर्नियुक्ति काम की उपलब्धता और उनकी वरिष्ठता पर निर्भर करती है ।

Conversion of an old tanker into a cattle carrier

2358. DR. VASANT KUMAR PANDIT: Will the Minister of SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether in 1976, the Shipping Corporation of India signed an Agreement with Tanzania to establish a joint shipping company for specific purpose of Cattle-Carriers;

(b) whether the Shipping Corporation of India converted one old tanker at the cost of Rs. 1.90 crores as a cattle-carrier;